Government Arts and Science College

Ratlam (M. P.) 457001

॥ ज्ञानयज्ञं भवतु जीवनमयम् ॥
Internal Quality Assurance Cell
Govt. Arts & Science College, Ratlam (M.P.)

Phone: 07412 - 235149 E-mail: hegaaspgcrat@mp.gov.in,pgcolrtm@hotmail.com

The syllabus designed by Central Board of Studies Bhopal and Vikram University, Ujjain has been adopted for the session 2018-19 at all the levels of UG and PG programme respectively.

Principal

Govt. Arts and Science College

Ratlam (M.P.)

Principal
Govt. Arts & Science College
Ratlam (M.P.)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2018-2019
सत्र –2018–19

Class/कक्षा	:	B.A/बी.ए. प्रथम वर्ष
Subject/विषय	:	हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र	:	**प्रथम**
Title of paper	:	Pracheen evam Madhyakaleen Kavya
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	42 ½ नियमित विद्यार्थियों के लिए निर्धारित
		50 स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित

Particulars/विवरण

इकाई एक	कबीर ,सूरदास, तुलसीदास ,बिहारी, घनानन्द, भूषण – निर्धारित अंशो से व्याख्या
इकाई दो	भक्तिकाल एवं रीतिकाल की पृष्ठभूमि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, धाराएँ एवं विशेषताएँ
इकाई तीन	कबीर, सूर और तुलसी पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई चार	बिहारी, घनानन्द और भूषण पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई पांच	द्रुत पाठ के कवि अमीर खुसरो, विद्यापति, जायसी, मीरा, रसखान, केशव, पद्माकर (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)
नोट –	द्रुत पाठ के कवियो पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

पाठ्यांश –

1. **कबीरदास** – सम्पादक –डॉ. श्यामसुन्दरदास – काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
गुरूदेव को अंग ,बिरह को अंग, ग्यान बिरह को अंग प्रत्येक से प्रारंभिक 5–5 साखी एवं प्रारंभिक 5 पद

2 **सूरदास** – सम्पादक – डॉ.धीरेन्द्र वर्मा
उद्धव संदेश – कुल 15 पद– कम संख्या 9, 10, 15, 21, 22 ,26, 27, 29 ,52, 53 ,62, 82 ,95, 101 एवं 120

3.**तुलसीदास** – (प्रकाशक –गीता प्रेस गोरखपुर)
विनय पत्रिका एवं कवितावली से प्रारंभिक 5–5 पद,
अयोध्या कांड (रामचरितमानस) दोहा कमांक 117 से 121 तक

4.**बिहारी–** बिहारी रत्नाकर –सम्पादक – जगन्नाथ दास रत्नाकर: (भक्ति, नीति, प्रकृति, श्रृंगार, विरह के 5–5 दोहे) दोहा संख्या–1,5,6,7,8,11,14,16,18,19,21,25,28,31,32,35,37,38,41,51=कुल 20 दोहे

5. घनानन्द – सं. डॉ. रामचंद्र तिवारी एवं डॉ. रामफेर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, (15 सवैये) 2, 3, 4, 6, 8, 9, 10, 11, 12, 14, 15, 17, 19, 20, 22=कुल 15 पद

6. भूषण – रीति काव्यधारा –सं.डॉ. रामचंद्र तिवारी एवं डॉ. रामफेर त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी– चयनित 14 कबित्त

वन्दना–1, 2,
शिवाजी प्रशस्ति–9, 10, 11, 12, 15, 17, 20,
छत्रसाल प्रशस्ति–22, 23, 26, 32, 34

द्रुत पाठ–

(1) अमीर खुसरो
(2) विद्यापति
(3) जायसी
(4) मीरा
(5) रसखान
(6) केशव
(7) पद्माकर

प्रश्नपत्र की पद्धति शासन के मान्य स्वरूप के अनुसार होगी। अंकों का विभाजन भी शासन के मान्य स्वरूप के अनुसार होगा।

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए
सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र– 42 1/2 अंक, + आन्तरिक मूल्यांकन 2 1/2 अंक त्रैमासिक , 05 अंक छह मासिक कुल 7.5 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 50 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 42 1/2

खण्ड अ – 1	वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5	=05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय(तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3	=09 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2	=16 अंक
	ब– व्याख्या – (कुल तीन व्याख्याएँ क्रमशः 4 1/2 +4+4 अंकों की)		=12 1/2 अंक
		कुल अंक 42 1/2	

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक । **इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।**
अंक विभाजन–

खण्ड अ – 1	वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5	=05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय(तीन–तीन अंकों के कुल 4 प्रश्न)	3 X 4	=12 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय(नौ–नौ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 X 2	=18 अंक
	ब– व्याख्या – (पांच–पांच अंकों की कुल 3 व्याख्याएँ)	5 X 3	=15 अंक
		कुल अंक 50	

निर्धारित पुस्तकः प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

टीप– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगें

(डॉ. वन्दना अग्निहोत्री)

Department of Higher Education,Govt of M.P

Under graduate semester wise syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2018-2019

सत्र –2018–19

Class/	:	B.A/बी.ए. प्रथम वर्ष
Subject/	:	हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र	:	**द्वितीय / second**
Title of paper	:	Hindi katha sahitya
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	हिन्दी कथा साहित्य
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	42 ½ नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई एक	गबन – प्रेमचन्द अथवा आपका बंटी– मन्नू भंडारी निर्धारित उपन्यासो एवं कहानियों से व्याख्या
इकाई दो	हिन्दी उपन्यास एवं कहानी का उद्भव, विकास एवं प्रवृत्तियाँ
इकाई तीन	"गबन" अथवा "आपका बंटी" पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई चार	निर्धारित कहानियों पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई पांच	द्रुत पाठ – अमृतलाल नागर, यशपाल, धर्मवीर भारती, कृष्णा सोबती, मालती जोशी, मीनाक्षी स्वामी
नोट–	द्रुत पाठ के कहानीकारो पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

1 उपन्यासः–

गबन– प्रेमचंद अथवा आपका बंटी–मन्नू भंडारी

2 हिन्दी कथा साहित्य :–

(1) गुण्डा–जयशंकर प्रसाद
(2) कफन –प्रेमचंद
(3) अपना–अपना भाग्य–जैनेन्द्र कुमार
(4) तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम– फणीश्वरनाथ रेणू
(5) चीफ की दावत–भीष्म साहनी
(6) दोपहर का भोजन– अमरकांत
(7) रीछ– दूधनाथ सिंह
(8) ढाई बीघा जमीन–मृदुला सिन्हा

द्रुत पाठ– अमृतलाल नागर, यशपाल, धर्मवीर भारती, कृष्णा सोबती, मालती जोशी तथा मीनाक्षी स्वामी

प्रश्नपत्र की पद्धति शासन के मान्य स्वरूप के अनुसार होगी। अंकों का विभाजन भी शासन के मान्य स्वरूप के अनुसार होगा। द्रुत पाठ के कहानीकारों पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायंगे।

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र– $42\frac{1}{2}$ अंक, + आन्तरिक मूल्यांकन $2\frac{1}{2}$ अंक त्रैमासिक , 05 अंक छह मासिक कुल 7.5 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 50 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक $42\frac{1}{2}$

खण्ड अ –	1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5	=05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय(तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3	=09 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2	=16 अंक
	ब– व्याख्या – (कुल तीन व्याख्याएँ कमशः $4\frac{1}{2}$+4+4 अंकों की)		$=12\frac{1}{2}$ अंक
		कुल अंक $42\frac{1}{2}$	

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक **। इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।**

अंक विभाजन–

खण्ड अ –	1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5	=05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय(तीन–तीन अंकों के कुल 4 प्रश्न)	3 X 4	=12 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय(नौ–नौ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 X 2	=18 अंक
	ब– व्याख्या – (पांच–पांच अंकों की कुल 3 व्याख्याएँ)	5 X 3	=15 अंक
		कुल अंक 50	

टीप– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगें।

निर्धारित पुस्तकः हिन्दी कथा साहित्य–म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

Department of Higher Education,Govt of M.P

Under graduate semester wise syllabus

As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम

केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2018-2019

सत्र –2018–19

Class/कक्षा	:	B.A/बी.ए. द्वितीय वर्ष
Subject/विषय	:	हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र	:	**प्रथम**
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	अर्वाचीन हिन्दी काव्य
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	42 ½ नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई–1 निर्धारित कवि : मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, निराला, माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा अज्ञेय तथा मुक्तिबोध की रचनाओ से तीन व्याख्यांश

मैथिलीशरण गुप्तः

1. सखि वे मुझसे कहकर जाते (यशोधरा से)
2. दोंनों ओर प्रेम पलता है (साकेत से)

जयशंकर प्रसादः

1. बीती विभावरी जाग री
2. शेर सिंह का शस्त्र समर्पण

सूर्यकान्त त्रिपाठी निरालाः

1. जागो फिर एक बार
2. तोडती पत्थर

माखनलाल चतुर्वेदी

1. कैदी और कोकिला
2. हिमकिरीटिनी

महादेवी वर्मा

1. मै नीर भरी दुख की बदली
2. बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ

स.ही.वा. अज्ञेयः

1. कलगी बाजरे की
2. बावरा अहेरी

मुक्तिबोधः

1. सहर्ष स्वीकारा है
2. भूल गलती

इकाई–2 मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद एवं निराला से एक समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–3 माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा, अज्ञेय एवं मुक्तिबोध से एक समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–4 आधुनिक युग की काव्य प्रवृत्तियॉः भारतेन्दु युग, राष्ट्रीय काव्यधारा , छायावाद और छायावादोत्तर काव्य : प्रगतिवाद एवं नई कविता।

इकाई–5 द्रुतपाठ – भारतेन्दु हरिशचंद्र, भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय, श्री नरेश मेहता और दुष्यन्त कुमार

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए
सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र– $42\frac{1}{2}$ अंक, + आन्तरिक मूल्यांकन $2\frac{1}{2}$ अंक त्रैमासिक , 05 अंक छह मासिक कुल 7.5 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 50 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक $42\frac{1}{2}$

खण्ड अ –	1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय(तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब– व्याख्या – (कुल तीन व्याख्याएँ कमशः $4\frac{1}{2}$+4+4 अंकों की)	=$12\frac{1}{2}$ अंक
		कुल अंक $42\frac{1}{2}$

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक **। इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।**
अंक विभाजन–

खण्ड अ –	1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय(तीन–तीन अंकों के कुल 4 प्रश्न)	3 X 4 =12 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय(नौ–नौ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 X 2 =18 अंक
	ब– व्याख्या – (पांच–पांच अंकों की कुल 3 व्याख्याएँ)	5 X 3 =15 अंक
		कुल अंक 50

टीप– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगें।

निर्धारित पुस्तकः अर्वाचन हिन्दी काव्य –म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

Department of Higher Education,Govt of M.P
Under graduate semester wise syllabus
As recommended by central board of studies and approved by the governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2018-2019
सत्र –2018–19

Class/ कक्षा	:	B.A/बी.ए. द्वितीय वर्ष
Subject/विषय	:	हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र	:	**द्वितीय**
Title of paper/	:	**Hindi Bhasha&Sahitya Ka Itihas aur Kavyang Vivechan**
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	हिन्दी भाषा – साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	42 ½ नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई–1 हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ , विभिन्न भाषाओं का विकास। हिन्दी भाषा के विविध रूप – बोलचाल की भाषा , राष्ट्र भाषा, राज भाषा, सम्पर्क भाषा

इकाई–2 हिन्दी शब्द भंडार, हिन्दी का शब्द स्रोत – तत्सम , तदभव, देशज एवं विदेशी शब्दावली, तत्सम और तदभव का अंतर , पारिभाषिक शब्दावली ।
हिन्दी के प्रमुख व्याकरणाचार्य –कामता प्रसाद गुरू एवं किशोरी दास वाजपेयी का अवदान।

इकाई–3 हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन एवं काल विभाजन : आदिकाल, पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की प्रवृत्तियॉं।

इकाई–4 आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास –भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद युग । छायावादोत्तर युगीन नाटक एव अन्य गद्य विधाऍं

इकाई–5 **काव्यांग विवेचन** –रस और उसके भेद
प्रमुख छन्द – दोहा , सोरठा, चौपाई, रोला और हरिगीतिका।
प्रमुख अलंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रान्तिमान और सन्देह।

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र– $42\frac{1}{2}$ अंक, + आन्तरिक मूल्यांकन $2\frac{1}{2}$ अंक त्रैमासिक , 05 अंक छह मासिक कुल 7.5 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 50 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक $42\frac{1}{2}$

खण्ड अ – 1	वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय(तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब– टिप्पणी – (कुल तीन टिप्पणियॉ क्रमशः $4\frac{1}{2}$+4+4 अंकों की)	=$12\frac{1}{2}$ अंक
		कुल अंक $42\frac{1}{2}$

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक । **इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।**
अंक विभाजन–

खण्ड अ – 1	वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय(तीन–तीन अंकों के कुल 4 प्रश्न)	3 X 4 =12 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय(नौ–नौ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 X 2 =18 अंक
	ब– टिप्पणी – (पांच–पांच अंकों की कुल 3 टिप्पणियां)	5 X 3 =15 अंक
		कुल अंक 50

टीप– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तकि विकल्प के साथ पूछे जायेंगें।

निर्धारित पुस्तकः '' हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं मालवीय भाषा–साहित्य ''
म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।